परम पू. कैलाश जी 'मानव'

आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

● मूल्य » 5 ● वर्ष-11 ● अंक » 129 ● मुद्रण तारीख » 1 सितम्बर-2022 ● कुल पृष्ठ » 32

अफ्रीकी देश तंजानिया

दारे सलाम की धरती पर 200 से अधिक दिव्यांग हुए अक्षमता की दासता से मुक्त

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्कैन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें
फोन नं. : +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

1 सितम्बर, 2022

वर्ष 11 अंक 129 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 32

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

Web www.narayanseva.org
E-mail info@narayanseva.org

Seva Soubhagya 1 September,2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 32 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-

सेवा सौभाग्य

अनन्त चतुर्दशी एवं नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

इस माह में पाठकों हेतु

संत की सीख 06

चातुर्मास में मिला आशीर्वाद 09

मिलेगी अब कर्ज से मुक्ति 12

तंजानिया में कृत्रिम अंग शिविर 16

उदासी पर उमंग की हिलोर 18

भक्ति संग सेवा का संदेश 23

सम्पादकीय

सच्चा साथी आत्मविश्वास

यदि हम अपने मन को वश में करके दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ छोटी-छोटी बाधाओं को निवृत्त करके कार्य करने की वृत्ति बना लें, तो सफल व श्रेष्ठ जीवन अवश्य जी सकते हैं।

हम सब अनूठा और नया करने के लिए बने हैं, ऊंची उड़ान भरने के लिए पैदा हुए हैं। पर कई बार हम जो कर रहे होते हैं, उसके इतने आदी हो जाते हैं कि अपनी ऊंची उड़ान भरने की, कुछ नया और बड़ा करने की क्षमता को ही भूल जाते हैं। इस सम्बन्ध में एक प्रसंग स्मृति में आ रहा है, जो हमें सावधान करता है कि कहीं अपने जीवन में भी किसी अनावश्यक आदत रूपी वृक्ष की डाल को काटने की जरूरत तो नहीं?

एक बार किसी राजा को उपहार में बाज के दो बच्चे मिले। राजा ने इससे पहले ऐसे सुन्दर बाज नहीं देखे थे। उसने उनकी देखभाल के लिए एक आदमी भी रख दिया। जब कुछ महीने बीत गए तो राजा उन बाजों देखने पहुंचा। राजा ने देखा कि दोनों बाज काफी बड़े हो चुके थे और पहले से भी सुन्दर और स्वस्थ लग रहे थे। राजा ने देखभाल कर रहे आदमी से कहा, मैं इनकी उड़ान देखना चाहता हूं। तुम इन्हें उड़ने का इशारा करो। इशारा मिलते ही दोनों उड़ने लगे। लेकिन जहां एक बाज आकाश की ऊंचाई छू रहा था, वहीं दूसरा कुछ ऊपर जाकर वापस उसी डाल पर आकर बैठ जाता, जिससे वो उड़ा था। ये देखकर राजा को अजीब लगा। उसने कारण पूछा।

सेवक ने कहा- जी हजूर इस बाज के साथ शुरू से यही समस्या है। वो इस डाल को छोड़ता ही नहीं। राजा को दोनों बाज प्रिय थे। वह दूसरे को भी उड़ते हुए देखना चाहता था। अगले दिन राजा ने पूरे राज्य में ऐलान करा दिया कि जो इस बाज को ऊंचा उड़ाने में कामयाब होगा, उसे ढेरों इनाम दिये जायेंगे। कई विशेषज्ञ आए, पर कामयाब न हुए। बाज थोड़ी सी ऊंचाई तक उड़ता और वापस डाल पर आकर बैठ जाता। फिर एक दिन कुछ अनोखा हुआ। राजा ने देखा कि दोनों बाज आसमान में ऊंचाई पर उड़ रहे हैं। उन्होंने तुरन्त उस व्यक्ति का पता लगाने को कहा, जिसने ये कारनामा किया। वह व्यक्ति एक किसान था। वह दरबार में हाजिर हुआ। उसे पुरस्कार देने के बाद राजा ने कहा, मैं तुमसे बहुत खुश हूं। अब बताओ कि यह कैसे संभव हुआ? किसान ने कहा, मालिक! मैं एक साधारण किसान हूं। ज्ञान की ज्यादा बातें नहीं जानता। मैंने तो बस वो डाल काट दी, जिस पर बैठने का बाज आदी था। जब डाल नहीं रही तो वो भी अपने साथी के साथ रहने और उड़ने के लिए विवश हो गया। संस्थान में आने वाले प्रत्येक दिव्यांगजन से भी मेरा यही आग्रह रहता है कि वे यदि किसी एक शारीरिक कमी अथवा अपंगता के साथ हैं तो उनमें कई ऐसी खूबियां भी हैं, जिन्हें पहचानकर दृढ़ ईच्छा शक्ति से उन्हें तराशते हुए वे अपने को खास मुकाम पर स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए संस्थान में विभिन्न प्रशिक्षणों की भी व्यवस्था है।

संस्थान अध्यक्ष
'सेवक' प्रशान्त भैया

अपनों से अपनी बात

शक्ति का स्त्रोत ईश्वर

शक्तिशाली मनुष्य वह नहीं हैं, जो शक्ति का प्रदर्शन करता फिरे, बल्कि शक्तिशाली वह है जो अपनी परिस्थितियों के कारण निराशा में डूबे बिना अपनी योग्यता, कार्य करने की क्षमता, धैर्य एवं सहनशीलता को प्रत्यक्ष रूप से प्रकट कर सके।

रामायण में सुग्रीव बाली के महल के बाहर पहुंच उसे युद्ध के लिए ललकारने लगा। उस समय बाली की पत्नी तारा ने उसे समझाया कि तुम्हारा छोटा भाई तुमसे युद्ध करने के लिए, तुम्हें पुकार रहा है, लेकिन मेरी सलाह है कि तुम अभी युद्ध करने के लिए न जाओ, क्योंकि सुग्रीव इस समय अकेला नहीं है। उसके साथ भगवान श्री राम और लक्ष्मण हैं। बाली को अपनी शक्ति पर घमण्ड था, उसने तारा की बात नहीं मानी और बोला कि मैं तो युद्ध करूंगा ही। बाली महल से बाहर आया और सुग्रीव से युद्ध करने लगा। बाली बहुत शक्तिशाली था, उसने सुग्रीव की बहुत पिटाई की।

किसी तरह बाली से बचकर सुग्रीव श्रीराम के पास पहुंचे और बोले, आपने कहा था कि मैं बाली से युद्ध करने जाऊं और मैं आपकी बात मानकर चला भी गया। मैंने आपसे कहा था कि बाली बहुत बलशाली है। अगर मैं उससे बचकर नहीं आता तो मारा जाता। आपने उसे मारने के लिए बाण क्यों नहीं चलाया? श्रीराम ने कहा, मेरे सामने एक दुविधा थी। तुम दोनों भाई दूर से एक जैसे दिखाई देते हो। मैं सोच रहा था कि तीर किस पर चलाऊं। तुम दोनों में कोई भेद नहीं दिख रहा था। सुग्रीव ने कहा, अब इस समस्या का निदान तो आप ही बताइए। श्रीराम ने सुग्रीव के गले में एक माला डाल दी और कहा, अब तुम युद्ध के लिए जाओ। इस माला से दो बातें होंगी। पहली, जब बाली तुम्हारे गले में माला देखेगा तो वह समझ जाएगा कि माला राम ने तुम्हें पहनाई है। तुम्हारे पीछे मेरी शक्ति है। दूसरी बात यह कि मैं तुम्हें पहचान लूंगा। श्रीराम की बात मानकर सुग्रीव फिर से बाली से युद्ध करने पहुंच गया। इस बार सुग्रीव पीछे मुड़-मुड़कर देख रहा था कि श्रीराम कहां हैं? वह बाली से भिड़ गया। श्रीराम ने बाण छोड़ा जो बाली की छाती में लगा।

बन्धुओं! इस घटना का संदेश यही है कि परमात्मा हमसे कहता है कि तुम अपने में ऐसी छवि अथवा योग्यता पैदा करो जिससे तुम सबसे अलग दिखो यानी अन्तर होना चाहिए। भेद देखकर मैं समझ जाऊंगा कि तुम मेरे भक्त हो और तुम्हारी मदद करूंगा। हम संसार में और लोगों की तरह हो जाते हैं। अच्छा आचरण बनाएं रखें, ताकि हम अन्य लोगों से अलग दिख सकें।

तभी भगवान भक्त की मदद कर पाएंगे। सुग्रीव से एक बात ये सीख सकते हैं कि उसने गले में माला डाल रखी थी और युद्ध करते समय बार-बार वह पलटकर भगवान को देख रहा था। संसार की समस्याओं का सामना खुद ही करना है लेकिन ईश्वर पर विश्वास व श्रद्धा रखो। ये बात शक्ति बढ़ा देती है।

संस्थापक-चेयरमैन
कैलाश 'मानव'

बोध कथा

संत की सीख

सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार भरे रहेंगे तो कहां से आएगा आत्मज्ञान?

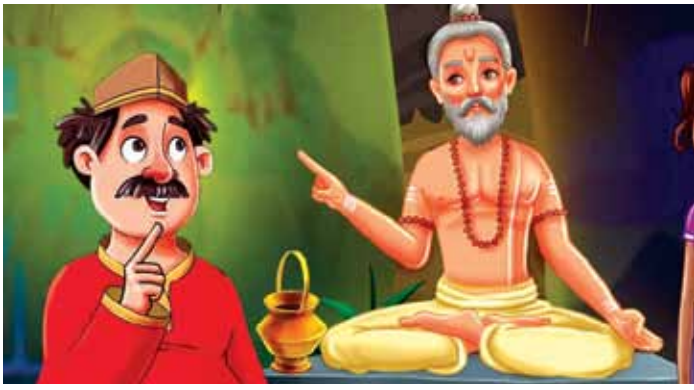

एक धनी सेठ ने एक संत से प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं, पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता। संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और एकाग्रता का मंत्र बताऊंगा। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। उसने संकोच के साथ कहा-महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो पहले से ही यह सब भरा हुआ है। संत मुस्कुराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। इसमें कचरा भरा है, उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। संत की बात सुनकर सेठ ने संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन मस्तिष्क से निकल बाहर करेगा।

प्रेरक प्रसंग

जीने की इच्छा

महावीर ने कहा-कभी अपने मन की शक्ति को कमजोर मत होने देना। शिष्य ने गुरू की परीक्षा लेना चाहा। गुरू की शक्ति का एहसास हुआ और वह क्षमा याचना करता हुआ गुरू चरणों में नतमस्तक हो गया।

ज्ञान प्राप्ति के पश्चात महावीर गांव-गांव और नगर-नगर भ्रमण कर रहे थे। वह लोगों को उपदेश देकर उन्हें सन्मार्ग पर लाते थे। एक दिन वे अपने शिष्य के साथ सभास्थल की ओर जा रहे थे। उनका वह शिष्य कई दिनों से उनसे नाराज था। रास्ते में उसे एक पौधा दिखा। उसने गुरू जी से कहा-क्या इस पौधे में कभी फूल लग पाएंगे? गुरू महावीर ने चिंतन की मुद्रा में थोड़ी देर आंखे बंद की तदुपरान्त कहा-अवश्य। यह पौधा एक दिन पुष्प गुच्छों से शोभा बढ़ाता दिखेगा।यह सुनकर उसने भगवान महावीर के समक्ष ही उस पौधे को उखाड़ दिया और कहा, देखते हैं, इस पौधे में फूल कैसे खिलते हैं? महावीर बिना कुछ कहे सभास्थल की ओर चल पड़े। सभा के बाद इतनी तेज बारिश हुई कि भगवान महावीर को पूरे दो सप्ताह तक वहां रूकना पड़ा। दो सप्ताह बाद जब वे वहां से चले तो रास्ते में फूलों से लदा हुआ वही पौधा दिखा। उस पौधे को देखकर शिष्य आश्चर्यचकित हुआ और गुरू से पूछा-अरे, जिस पौधे को मैंने उखाड़ फेंका था, उस पौधे में ये फूल कैसे? यह कैसे सम्भव हुआ? महावीर ने कहा-यदि जिजीविषा प्रबल होती है तो ऐसे ही सुखद परिणाम होते हैं। इस पौधे की जीवित रहने की इच्छा बहुत दृढ़ थी। बारिश के मौसम में जल और मिट्टी का संयोग मिला तो यह फूलों से लदा हुआ हमारे सामने है। शिष्य भगवान महावीर के चरणों में गिर पड़ा।

तर्पण

पूर्वजों के सम्मान का महापर्व

हर वर्ष आने वाले श्राद्ध, महालय और देव पितृ अमावस्या से यही संकेत उभरते हैं कि हमें अपने जीवित देवी-देवता माता-पिता की भी सेवा करना चाहिए। हमें अपने बुजुर्गों को सम्मान देना चाहिए। इसलिए इसे सर्वाधिक महत्व दिया जाता है।

श्राद्ध पर्व की महिमा ही तर्पण और अर्पण से है। वैसे श्राद्ध का सीधा-सा अर्थ है-श्रद्धा से किया वह काम जिसमें प्रसन्नता, सम्मान और ईमानदारी नजर आए। श्राद्ध को महालय भी कहा जाता है। महालय शब्द का अर्थ घर में होने वाले उत्सव से ही है। इन दिनों अमूमन घर में शाकाहारी व्यंजन रोज ही बनाए जाते हैं और देखा जाए तो भादौं की पूर्णिमा से आश्विन माह की अमावस्या तक चलने वाला यह पर्व अपने-अपने पितरों को मोक्ष दिलाने का पर्व है। जब वे पृथ्वी पर रहने वाले अपने बच्चों से इस बात की इच्छा रखते हैं कि उनके मोक्ष के लिए वे इस खास समय अवधि में कुछ करें। अद्भुत रामायण में पुत्र की पुत्रता से जुड़ा यह श्लोक इस बात को स्वीकारता भी है- "जीवतो वाक्य करणात् क्षयाहे भूरि भोजनात। गया पिण्ड दानेन त्रिभिःपुत्रस्य पुत्रता।।" अर्थात माता-पिता या अन्य पूर्वजों की निर्वाण तिथि पर गया जी में किया हुआ पिण्ड दान, ब्राह्मण भोजन और तर्पण करने से पुत्र को पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है। विधिपूर्वक तर्पण करना, कम से कम एक सात्विक ब्राह्मण को दक्षिणा सहित भोजन कराना, गाय, कुत्ते, कौआ, चींटी को हर दिन अन्ना देना पितृदोष शान्ति के कारगर उपाय हैं। श्राद्ध कर्म करते समय पितृस्तोत्र का पाठ करवाने से पितृगण बड़े प्रसन्न होते हैं।

श्राद्ध उसी तिथि को करना चाहिए जिस दिन पितृ विशेष की मृत्यु हुई थी। इसमें बदलाव करना मनुष्य के लिए संकट को बुलाना होता है। तिथि ज्ञान न होने पर विद्वानों से सलाह कर श्राद्ध करना चाहिए या फिर सर्वपितृ अमावस्या पर श्राद्ध करना सबसे उपयुक्त माना गया है।

माहत्म्य

दुर्गति विनाशिनी शक्ति दुर्गा

आपके अपने संस्थान में 3 अक्टूबर श्री दुर्गाष्टमी पर विश्व शान्ति और सर्वजनः सुखाय की कामना के साथ हवनादि अनुष्ठान एवं 501 उन कन्याओं का पूजन आपश्री के आशीष के साथ सम्पन्न होगा, जिनकी दिव्यांगता में सुधार के लिए नवरात्रि के दौरान निःशुल्क ऑपरेशन होंगे-कृपया शुभाशीष प्रदान करें।

अपने सुख-वैभव को बचाने के लिए मनुष्य शुरू से एक ऐसी शक्ति की तलाश में प्रयत्नशील रहा जो उसकी कठिनाईयों का अंत कर दे। दुर्गति का विनाश करने वाली शक्ति को ढूंढने की मनुष्य की तलाश देवी दुर्गा पर ठहर जाती है। दुर्गा का आविर्भाव देवताओं की समन्वित शक्ति से हुआ है। वे शक्ति पुंज हैं। दुर्गा का आह्वान देवता गण ने संकट से घिरने पर बार-बार किया। हम सब भी देवी दुर्गा का स्मरण बाधाओं से मुक्ति पाने के लिए करते हैं।

ऊं त्रिगुणा तामसी देवी सात्विकी या त्रिधोदिता। सा शर्वा चण्डिका दुर्गा भद्रा भगवतीर्यते।। दुर्गा का वास्तविक स्वरूप महिषासुर मर्दिनी है, जो महालक्ष्मी हैं। त्रिगुणमयी महालक्ष्मी के गुणों के भेद से तीन रूप हैं- सतोगुण रूप (सरस्वती), रजोगुण रूप (लक्ष्मी) एवं तमोगुण रूप (काली)।

दुर्गा देवताओं की क्रिया शक्ति हैं। अन्यथा युद्ध भूमि में जिस देवता के पास जैसी शक्ति है, वह वैसा स्त्री रूप और अस्त्र-शस्त्र धारण करके दुर्गा की सहायता के लिए क्यों पहुंचते? युद्ध स्थल में देवी दुर्गा स्त्री सेना का नेतृत्व कर रही हैं। उनकी मातृगणों की अनोखी सेना ने युद्ध में असुरों को हराकर इंद्र को फिर से स्वर्ग के सम्राट के रूप में स्थापित कर दिया। निश्चित रूप से इंद्र की दुर्गति का नाश करने वाली शक्ति दुर्गा हैं। यह शक्ति अपने पराक्रम से अपने भक्तों के दुःखों का अंत कर देती है। यह भी सच है कि महिषासुर मर्दिनी महालक्ष्मी रूप में दुर्गा इस जगत को धारण करने वाली शक्ति है। इस व्याख्या से वह प्रकृति हैं और उनके तीन रूप उनकी तीन विभूतियां-लक्ष्मी, काली एवं सरस्वती हैं। वे पुण्यों एवं पापों का लेखा-जोखा रखने वाली, अनन्य ममता की प्रतिमूर्ति हैं। महिषासुर का मर्दन करने वाली माता दुर्गा ने महिषासुर को भी अपनी ममता की छांव में ले लिया था। देवी भागवत पुराण में कहा गया है कि श्रीराधा, श्रीकृष्ण की प्राण एवं दुर्गा बुद्धि हैं। गीता के द्वारा संसार को कर्मयोग का ज्ञान देने वाले श्रीकृष्ण की प्रेरणा दुर्गा हैं। ये सभी प्राणियों की बुद्धि की अधिष्ठात्री हैं, जिसकी बुद्धि भ्रमित हो जाए, वह मां दुर्गा के सुरक्षित दुर्ग से बाहर निकला माना जाकर अनिष्ट का भागी बनता है।

आशीष

चातुर्मास में मिला आशीर्वाद

श्री दया सागर जी महाराज

श्री श्री 108 आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज

श्री श्री 108 अमित सागर जी महाराज

मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज

108 आचार्य श्री श्रुत सागर जी महाराज

श्री विनय सागर जी महाराज

आर्यिका 105 अहमश्री माता जी

108 मुनि श्री विभंजन सागर जी महाराज

सक्सेस स्टोरी

लौट आई पटरी पर गृहस्थी की गाड़ी

नासिक (महाराष्ट्र) निवासी संभाजी विठ्ठल जेजुकर (46) अपने किराणा स्टोर के माध्यम से 6 सदस्यीय गृहस्थी का हंसी-खुशी निर्वाह कर रहे थे, लेकिन एक दिन ऐसा आया जिसने परिवार की हंसी-खुशी तो छीनी ही, उनके तमाम सपनों को भी ठोकर मार गया। मई 2022 में कृत्रिम पैर लगवाने उदयपुर आए संभाजी ने बातचीत के दौरान बताया कि नासिक में उनकी गृहस्थी और किराणा स्टोर ठीक से चल रहे थे। बच्चों की पढ़ाई और गृहस्थी का सम्पूर्ण व्यय किराणा स्टोर से निकल जाता था। व्यवसाय को आगे बढाने और बच्चों को बेहतर भविष्य देने की सोच के साथ पति-पत्नी खूब मेहनत करते थे। सुबह 6 से शाम 8 बजे तक स्टोर खुलता था। घर आना-जाना और स्टोर के लिए मंडी से सामान लाने के लिए बाईक थी। सप्ताह में एक दिन मंडी से सामान लाने का तय था।

जनवरी-22 में तय दिन बाईक से मंडी के लिए निकला। बीच रास्ते में ही सामने से आते चार पहिया वाहन ने चपेट में ले लिया। वाहन का पहिया बाएं पांव के ऊपर से गुजर गया। शरीर के अन्य भागों पर भी चोटें आई। क्षेत्र के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, होश आने पर पता चला कि पांव का घुटने से ऊपर तक का हिस्सा मैं खो चुका हूं, मैं चीख उठा, पूरा आसमान मेरी आंखों में घूम गया। परिवार बिलख रहा था, सपने बिखरे थे। बाद के दिनों में परिवार आर्थिक संकट से घिरा रहा, इलाज भी चला, लेकिन कामकाज छूट गया। किराणा स्टोर पर ताला पड़ गया। जब जख्म ठीक हुआ तो सलाह मिली कि कृत्रिम पांव लगवा लो, लेकिन आर्थिक तंगी से संभव नहीं हुआ। कुछ और समय बीता, तभी किसी सज्जन ने उदयपुर में नारायण सेवा संस्थान की पारमार्थिक सेवाओं की जानकारी दी। मैंने संस्थान से फोन पर सम्पर्क कर हालात बताए। मुझे उदयपुर आने को कहा गया। 29 मई 2022 को उदयपुर पहुंचा। ऑर्थोपेडिक डॉक्टर व पीएण्डओ दोनों साहिबान ने देखा। कटे पांव का नाप लेकर दो दिन में कृत्रिम पांव बनाया। उसे लगाने, खोलने और चलने की दो-तीन दिन तक ट्रेनिंग दी गई। इस दौरान आवास, भोजन आदि की भी अच्छी और निःशुल्क व्यवस्था की गई। एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ। अब मैं आराम से चलता हूं, दुकान फिर से संभालने लगा हूं।

दो ऑपरेशन के बाद चल पड़ा राजेश

छोटी सी जोत पर किसानी करने वाले यवतमाल (महाराष्ट्र) निवासी विनोद चौहान के 14 वर्ष पूर्व प्री - मैच्योर बालक का जन्म हुआ। जिसके दोनों पांवों के पंजों में टेढा पन था। परिवार दुःख में डूब गया, अपना नसीब मानकर माता-पिता बच्चे की परवरिश के साथ-साथ उपचार के लिए अस्पतालों के चक्कर लगाते रहे। गरीबी और उपचार के चलते कर्ज का बोझ, 'दुबले को दो आषाढ' जैसी स्थिति थी। विनोद खेती के साथ-साथ अन्यत्र मजदूरी भी करने लगा। उसे दिव्यांग बालक राजेश के भविष्य की चिंता थी। चार-पांच साल की आयु होने पर नजदीक के स्कूल में दाखिला करवाया। स्कूल ले जाने और लाने के लिए माता-पिता में से किसी एक को सचेत रहना पड़ता था। कक्षा चौथी में आते-आते राजेश की तबियत और पांवों की हालत ज्यादा खराब होने लगी। अन्ततः पढ़ाई छुड़वानी पड़ी। महाराष्ट्र के कुछ अस्पतालों में वापस दिखाया भी लेकिन या तो किसी ने ठीक करने से हाथ खड़े कर दिए अथवा भारी भरकम खर्च बताया जो गरीब खेतीहर मजदूर के लिए बूते से बाहर की बात थी।

इसी बीच एक दिन उम्मीद की किरण बन कर पड़ौसी का संदेश विनोद को मिला, जिसमें उसने टीवी पर नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर में इस तरह की दिव्यांगता के निःशुल्क उपचार और सहयोग के बारे में देखी गई जानकारी उसे दी। विनोद 7 मार्च 2022 को राजेश को लेकर उदयपुर पहुंचे, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों ने गहन जांच के बाद 10 मार्च को बाएं पांव का ऑपरेशन किया। करीब दो माह बाद 12 मई को पुनः उदयपुर जाने पर दूसरे पांव का भी 15 मई को ऑपरेशन किया गया।

तीन-चार बार विजिंग हुई, कुछ दिन रखने के बाद डिस्चार्ज कर एक माह बाद पुनः बुलाया गया। तीसरी बार वहां जाने पर विशेष केलिपर्स व शूज बनवा कर पहिनाए गए और उठने-बैठने, चलने की कुछ दिनों तक ट्रेनिंग दी गई। राजेश अब स्वतः उठता-बैठता, चलता है। स्वास्थ्य भी ठीक है और आंखों में खुशी की चमक है। विनोद बेटे को मिले इस नवजीवन पर प्रभु और संस्थान के साथ मित्र के मार्ग दर्शन का भी आभार मानता है।

मिलेगी अब कर्ज से मुक्ति

समय की लाठी जब चलती है तब आवाज नहीं आती ये सभी को पता है, ऐसी ही मार ने एक परिवार को तोड़ के रख दिया। रतलाम जिले के जावरा निवासी अजहर खान (25) ने सड़क दुर्घटना में जख्मी होने पर दांया पांव तो खोया ही जीने की उम्मीद भी खो दी। टोल प्लाजा पर हमाली का काम कर दोपहर 12 बजे के आस - पास अजहर अपने दो मित्रों के साथ होटल से चाय - नास्ता कर बाहर निकले ही थे कि सामने से तेज रफ्तार से आए अनियंत्रित ट्रक को देख हक्काबक्का हो गए। मित्र सड़क के उस पार कूद गए पर अजहर इस प्रयास में अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आकर बुरी तरह से जख्मी हो गए। शरीर और पांव में गंभीर चोटें आई। मित्रों को भी चोट लगी फिर भी उन्होंने हिम्मत जुटा कर अजहर को एक निजी वाहन से पास के ही सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। दुर्घटना के बारे में परिवार को सूचना दी। अजहर की स्थिति देख परिवार में मातम छा गया। उपचार के दौरान दुर्घटनाग्रस्त दायां पांव घुटने के नीचे से पूरी तरह से टूट चुका था, उसे काटना पड़ा।

सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में करीब तीन माह तक उपचार चला। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति भी खराब हो गई थी। अजहर और उसका परिवार दिव्यांगता की इस दशा से उबरने का प्रयास कर ही रहा था कि एक दोस्त ने नारायण सेवा संस्थान उदयपुर के बारे में जानकारी दी, तो अजहर में जीने की उम्मीद जगी। बिना समय गंवाए भाई के साथ वह 29 जुलाई 2022 को उदयपुर स्थित संस्थान आये। यहां आने पर डॉक्टरों ने जाँच कर पांव का नाप लिया और दो दिन बाद 1 अगस्त को विशेष कृत्रिम पांव बनाकर पहनाया और चलने की ट्रेनिंग भी दी। कृत्रिम पैर लगने के बाद अपने दोनों पांवो पर फिर से खड़ा होने में अजहर को बहुत खुशी मिली। उन्होंने बताया कि सरकारी-गैर सरकारी अस्पतालों में आने-जाने और उपचार में उनका बहुत पैसा खर्च हुआ। कर्ज भी हो गया। संस्थान ने उन्हें निःशुल्क पांवों पर खड़ा कर दिया।

अब वे अपना कर्ज उतारने और परिवार की जरूरतें पूरी करने में सक्षम हैं। संस्थान परिवार का बहुत-बहुत आभार कि मुझे और परिवार को संकट से उबार लिया। मुझे फिर से चलने योग्य बना दिया।

सुगम हुई मासूम की राह

पुत्री के जन्म से परिवार में खुशी का माहौल था। लेकिन कुछ ही समय बाद यह खुशी तब दुःख में तब्दील हो गई, जब पता चला कि नवजात के दोनों पांव कमजोर, घुटनों और पंजो से टेढ़े थे। माता-पिता मायूस हो गए। आस-पास के अस्पतालों में पोलियो का उपचार भी कराया पर लाभ नहीं मिला। किसी बड़े अस्पताल में ले जाना गरीबी के कारण सम्भव नहीं था। बिहार के सिवान जिले के गाँव रिसौरा में रहने वाले बबलू प्रसाद की बेटी रीतिका जन्मजात दिव्यांगता के अभिशाप के साथ चार बरस की हो गई। माता-पिता को बेटी के भविष्य को लेकर दिन-रात चिंता रहती थी कि क्या होगा और क्या नहीं? माता-पिता दिहाड़ी मजदूर हैं और मजदूरी कर परिवार का पोषण करते हैं। परिवार की गरीबी के कारण एक समय का भोजन जुटाने में भी बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इलाज हेतु दरदर की ठोकरें खाते-खाते पिता थक से गए और इसी स्थिति के चलते बेटी के ठीक होने का सपना भी टूटता सा दिखाई दे रहा था, एक दिन उन्हें पास के गाँव से तीन-चार व्यक्तियों ने राजस्थान के उदयपुर शहर स्थित नारायण सेवा संस्थान में लेकर के जाने की सलाह दी और बताया कि वहाँ इस तरह की बीमारी का निःशुल्क उपचार होता है। हम भी वहां लड़के का ऑपरेशन करवा चुके हैं और वो आराम से चलता और अपना काम करता है।

बबलु प्रसाद बेटी को लेकर 2021 के अगस्त में संस्थान आए। अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों ने जाँच कर पहला ऑपरेशन 7 अगस्त 2021 को कर करीब एक माह बाद पुनः बुलाया और दूसरे पांव का भी सफल ऑपरेशन हुआ। तीसरी बार 2022 जून माह में आये। दोनों पैरों का नाप लिया और विशेष केलिपर्स व जूते तैयार कर पहनाये। रीतिका अब पहले से स्वस्थ और खुश है, आराम से चलती है।

21 साल बाद बढ़े कदम

आठ साल की उम्र में पोलियो का शिकार होने से स्थिति बहुत खराब हो गई। कुछ समय बाद से ही दोनों पैरों और कमर में बहुत कमजोरी आने से कमर में दर्द और पैर की नस ब्लॉक होने से चलने-फिरने में परेशानी होने लगी, चलना-फिरना बंद हो गया। यह दास्तां उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के गाँव खेरी निवासी श्री राम नरेश जी के बेटे सत्येन्द्र कुमार की है। राम नरेश और माता निर्मला देवी मजदूरी कर तीन भाईयों और चार बहिनों का गुजारा चला रहे थे कि बेटे की इस स्थिति से परिवार टूट सा गया। दिव्यांगता के दुःख और उपचार की तलाश करते-करते आठ-दस साल निकल गए परन्तु कहीं से भी मदद का संतोषजनक जवाब नहीं मिला। परिवार की माली हालत खराब होने से प्राइवेट अस्पताल में इलाज करवाना भी सम्भव नहीं था। फिर किसी के द्वारा राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित नारायण सेवा संस्थान के बारे में जानकारी मिली कि वहां दिव्यांग और विकलांगों के निःशुल्क ऑपरेशन होते हैं। फिर एक दिन टीवी पर भी प्रोग्राम देखा तो 2012 में सम्पर्क कर संस्थान आये। यहां आने के बाद जाँच कर दो साल बाद आने की तारीख दी। फिर जून 2014 में संस्थान आएं और दोनों पैरों का बारी-बारी से ऑपरेशन हुआ। उपचार दो साल तक चला जिसमे चार से पांच बार विजिंग और एक्ससाईज भी कराई गई। विजिंग के बाद विशेष केलिपर्स और जूते तैयार कर पहनाये गए।

माता-पिता का कहना है कि सत्येन्द्र को स्वस्थ, ठीक होने और अपने पैरों पर केलिपर्स के सहारे खड़े होते, चलते-फिरते देख हमारी खुशियों का कोई ठिकाना ही नहीं रहा। परिवार में रूठी खुशियाँ फिर से लौट आई। स्वस्थ होने के बाद संस्थान में ही मोबाईल रिपेयरिंग का कोर्स कर अब खुद की छोटी सी दुकान चला कर परिवार के भरण-पोषण और खर्च चलाने में मदद भी करता है । सब कुछ ठीक होते ही शादी भी हो गई और दो साल का बच्चा भी है। सत्येंद्र बताते हैं कि अभी वर्तमान में पैरों में मामूली दर्द होने और केलिपर्स टूटने, उनको बदलवाने हेतु 18 जुलाई 2022 को पुनः संस्थान आया। यहां डॉक्टर साहब द्वारा जाँच कर दवाइयां दी गई, साथ ही 21 जुलाई को बैसाखी और दोनों पैरों में विशेष केलिपर्स और जूते तैयार कर पहनाये गए। अब में आराम से दुकान जा सकूंगा, संस्थान में निःशुल्क ऑपरेशन और उपचार हुआ। मुझे नया जीवन प्रदान किया, मैं संस्थान परिवार का जितना धन्यवाद और आभार व्यक्त करूं उतना कम है।

घिसटती थी, अब चलेगी शिवानी

राजस्थान के भरतपुर जिले की तहसील कुम्हेर के गाँव उसरानी की रहने वाली शिवानी (10) जन्म जात पोलियो ग्रस्त है। पिता अनूप सिंह और माता रेखा देवी सहित पूरा परिवार बहुत वर्षों से दुखी एंव चिंतित था। पैरों को घसीटते-रगड़ते आगे बढ़ती थी। तब माता-पिता का कलेजा जैसे मुंह को आता था। आस-पास के अस्पतालों में भी दिखाया, किसी ने बोला की लेप और तेल से पेरों पर मालिश करो सब तरीके आजमाए पर कुछ फर्क नहीं पड़ा। प्राइवेट अस्पताल में दिखाने पर डॉक्टर्स ऑपरेशन के लिए बोले पर खर्च इतना बताया, जो परिवार की गरीबी के कारण नामुमकिन था। पिता टॉवर लाइन में गड्डे खोदने का काम करते हैं, तो माता खेती हर मजदूर है। दो भाई समेत शिवानी के परिवार में पाँच सदस्य हैं, परिवार का गुजारा बहुत मुश्किल से हो पाता है।

इस स्थिति से जूझते-जूझते परिवार की माली हालत और भी खराब होती गई। फिर एक दिन नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के बारे में पता चला कि वहां निःशुल्क पोलियो ऑपरेशन होते हैं, तब बिना समय गंवाए माता-पिता शिवानी को लेकर फरवरी 2020 में संस्थान आये। डॉक्टर टीम ने जांच कर पहला ऑपरेशन 3 फरवरी 2020 में कर करीब एक माह बाद पुनः बुलाया। कोरोना महामारी और लॉकडाउन होने के कारण नहीं आ पाए। दूसरी बार 29 अगस्त 2020 में आने पर प्लास्टर खोला और विजिंग की गई।

फिर तीसरी बार 1 जून 2022 को दूसरे पांव का सफल ऑपरेशन कर पुनः बुलाया तब चौथी बार प्लास्टर खोल दोनों पैरों का नाप लिया और विशेष केलिपर्स व जूते तैयार कर पहनाये गए। शिवानी अब पहले से स्वस्थ एंव खुश है। बिना किसी सहारे अब थोड़ा-थोड़ा चलती है। परिवार को पूरी उम्मीद है कि शिवानी कुछ महिनों के अभ्यास के बाद सामान्य रूप से चलने लगेगी।

अमृत महोत्सव

अफ्रीकी देश तंजानिया

दारे सलाम की धरती पर 200 से अधिक दिव्यांग हुए अक्षमता की दासता से मुक्त

भारत की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव की वेला में वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को आगे बढ़ाते हुए दारे सलाम, तंजानिया की धरती पर 13 से 17 अगस्त 2022 तक नारायण सेवा संस्थान ने संस्थापक पद्मश्री कैलाश जी मानव की प्रेरणा से विभिन्न दुर्घटनाओं से ग्रस्त दिव्यांग बन्धु-बहिनों को अत्याधुनिक कृत्रिम अंग प्रदान कर उन्हें नई जिन्दगी शुरू करने की सौगात दी।

संस्थान अध्यक्ष श्री प्रशान्त जी अग्रवाल के नेतृत्व में 13 अगस्त को पांच दिवसीय कृत्रिम अंग माप एवं वितरण शिविर तंजानिया सरकार के कई केबीनेट मिनिस्टर्स एवं इंडियन हाई कमीशन के मुख्य आतिथ्य में शुरू हुआ। जिसमें राज्य मंत्री पीएमओ कार्यालय - मामा जॉयस नदलीचाको, माननीय नासर अहमद मजरूई - स्वास्थ्य मंत्री - ज़ांज़ीबार की क्रांतिकारी सरकार, अमोस मकाला - दार एस सलाम के क्षेत्रीय आयुक्त, भारतीय उच्चायुक्त - श्री बिनाया श्रीकांत प्रधान, श्री वम्बुरा किजिटो- वरिष्ठ समाज कल्याण अधिकारी और प्रधानमंत्री कार्यालय श्रम, युवा, रोजगार और विकलांग व्यक्ति मौजूद रहे। संस्थान की पी एण्ड ओ डॉ. रोली मिश्रा ने 200 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर लगाए। संस्थान निदेशक वंदना जी अग्रवाल की 15 सदस्यीय टीम ने शिविर में आने वाले दिव्यांगों की हर सम्भव सहायता की। यह आयोजन लोहाना महाजन एवं लालबाग परिवार के सहयोग से सम्भव हुआ। संयोजक मनीष खण्डेलवाल ने शिविर में पधारें अतिथियों एवं आयोजक परिवार का अभिनन्दन किया।

कृत्रिम अंग वितरण

उदासी पर उमंग की हिलोर

हादसों में हाथ-पैरो से दिव्यांग होने वाले भाई-बहिन कृत्रिम अंग पाकर फिर से चलने और करने लगे हैं, अपना दैनन्दिन काम। ऐसे अनेक लोगों को संस्थान द्वारा जुलाई माह में विभिन्न नगरों-महानगरों में शिविर आयोजित कर उनके उपयुक्त कृत्रिम अंग प्रदान करने व माप लेने का कार्य वृहद स्तर पर सम्पन्न हुआ। कृत्रिम अंग पाकर हर चेहरे पर फिर से उड़ान की खुशी और उमंग की हिलोर दिखाई दी।

सिरमौरः चेम्बर ऑफ कॉमर्स परिसर सिरमौर(हि.प्र.) में नव शक्ति युवा मण्डल के सहयोग से 3 जुलाई को कृत्रिम अंग वितरण शिविर हिमाचल युवा ब्रिगेड के अध्यक्ष श्री इन्द्रजीत सिंह जी मिक्खा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। जिसमें 15 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पांव 10 को केलिपर प्रदान किए गए। अध्यक्षता समाजसेवी श्री दीपक जी दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री अमित जी छाबड़ा सचिन जी गुप्ता, अनुज कुमार जी व मनीष कुमार जी थे। शिविर प्रभारी श्री मुकेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। टेक्नीशियन श्री भगवती लाल ने कृत्रिम अंग पहनाने का कार्य किया।

जलगांवः जिला अग्रवाल संघटना, जलगांव (महाराष्ट्र) एवं अग्रवाल समाज शैदुर्णी के सौजन्य से नेरी नाका स्थित श्री पांजरापोल संस्था में दो दिवसीय कृत्रिम अंग वितरण शिविर 3-4जुलाई को सम्पन्न हुआ। जिसमें 130 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। जिनमें से 109 को कृत्रिम अंग व 20 को केलिपर

प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि अग्रवाल शिक्षण मंडल, धूलिया के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश जी अग्रवाल थे। अध्यक्षता जिला अग्रवाल संघटना के अध्यक्ष श्री पवन कुमार जी अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री गोपाल जी अग्रवाल,गोविंद जी अग्रवाल, डॉ. सुरेश जी अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, बजरंग लाल जी अग्रवाल व घनश्याम जी अग्रवाल थे। पी एण्ड ओ डॉ. तपस जी बेहरा की देखरेख में कृत्रिम अंग पहिनाने का कार्य हुआ। शिविर प्रभारी श्री हरिप्रसाद लड्ढा ने संचालन किया। सहायता सत्य नारायण मीणा व गोपाल स्वामी ने की।

कैथल: जाखोली बस अड्डा, कैथल (हरियाणा) स्थित अग्रवाल धर्मशाला में 10 जुलाई को सम्पन्न कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 2 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 15 को केलीपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि निःशक्तजन आयुक्त श्री राजकुमार जी मक्कड़ थे। अध्यक्षता नगरपरिषद चेयरमैन श्रीमती सुरभि जी गर्ग ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री एल.एम. बिन्दलिशजी, विवेक जी गर्ग (शाखा

संयोजक) एवं सतपाल जी मंगला (शाखा सरंक्षक) मंचासीन थे। शिविर प्रभारी लालसिंह भाटी ने अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया।

शामली: माता अमृतानंदमयी देवी कृपा ट्रस्ट, शामली (उत्तर प्रदेश) के सहयोग से कैराना रोड स्थित जे.जे. फार्म पर 10 जुलाई को आयोजित कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 20 दिव्यांगजन को कृत्रिम हाथ-पैर व 12 को केलीपर का वितरण क्षेत्रीय सांसद श्री प्रदीप जी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता समाजसेवी श्री रवि जी सिंगल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री विजय जी कौशिक, सुनिल जी गर्ग, अमित जी गर्ग व डॉ. दीपक जी मित्तल थे। शिविर प्रभारी श्री मुकेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया। टेक्नीशियन श्री भगवती पटेल ने कृत्रिम अंग व केलीपर पहनाने का कार्य किया।

भायंदर (महाराष्ट्र): आर.एन.पी. पार्क भायंदर (महाराष्ट्र) स्थित संस्थान के फिजियोथेरेपी केन्द्र में 10 जुलाई को आयोजित दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर में 137 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। इनमें से तीन का निःशुल्क सर्जरी के लिए डॉ. माहेश्वरी जी बोन्गानी ने चयन किया जब कि पी एण्ड ओ डॉ. रोली मिश्रा व टेक्नीशियन नरेश वैष्णव ने 49 दिव्यांजन के कृत्रिम अंग व 38 के केलीपर बनाने का माप लिया। मुख्य अतिथि संस्थान के शाखा संरक्षक श्री उमराव सिंह जी ओस्तवाल थे। अध्यक्षता महापौर श्रीमती ज्योत्सना हस्नावले ने की। विशिष्ट अतिथि उप महापौर श्री हंसमुख जी गहलोत, आयुक्त मीरा भायंदर श्री दिलीप जी रोले, समाजसेवी श्री संभाजीराव पानपटे, श्री कान्तिलाल जी लोढ़ा, मुम्बई शाखा संयोजक श्री कमल चंद जी लोढ़ा थे। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद जी लड्ढा ने अतिथियों को सम्मानित किया।

कलिमपोंग: कलिमपोंग बगधारा अपंग कल्याण संस्थान के सहयोग से कलिमपोंग (प. बंगाल) के गर्ल्स हाई स्कूल में दो दिवसीय कृत्रिम अंग वितरण शिविर 24-25 जुलाई को सम्पन्न हुआ। जिसमें पी.एण्ड.ओ. डॉ. पंकज व टेक्नीशियन किशन सुथार ने 43 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 74 को केलीपर पहनाए। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लड्ढा के अनुसार मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

शेख मोहम्मद अजीम थे। अध्यक्षता केप्टन हर्षित रत्न ने की। विशिष्ट अतिथि शिविर संयोजक श्रीमती रजनी मेनन, सभासद श्री विकासराय, श्री पी. के. प्रधान जी, श्री छोटेलाल प्रसाद जी, श्री मनोज जी गट्टानी, श्री जयंत जी मूंदड़ा व श्री गणेश जी सरावगी थे।

श्रीनगरः आर्मी सेकेण्डरी स्कूल गुडविल गांधरबल, श्रीनगर (जम्मू कश्मीर) में कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरण शिविर 24-25 जुलाई को सम्पन्न हुआ। जिसमें 78 केलीपर, 7 कृत्रिम अंग, 11 व्हील चेयर, 12 श्रवणयंत्र व 10 स्टीक्स का दिव्यांगजन को वितरण हुआ। शिविर प्रभारी लालसिंह भाटी के अनुसार मुख्य अतिथि 34 असम राइफल्स वुसन के कर्नल आर.एस. काराकोटी थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. संजना शर्मा व श्री सन्तोष कुमार जी थे। सहयोग पी एण्ड ओ डॉ. रोली मिश्रा, अनिल पालीवाल, दिलीप सिंह चौहान, मुकेश मीणा, मुकेश त्रिपाठी व बहादुर सिंह मीणा ने किया।

हीरानगरः जय बाबा नीलकंठ सेवा मंडल, हीरानगर (जम्मू -काश्मीर) में 31 जुलाई को आयोजित शिविर में 15 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 18 को केलीपर का वितरण किया गया। शिविर प्रभारी श्री अखिलेश अग्निहोत्री के अनुसार पी एण्ड ओ टेक्नीशियन नरेश वैष्णव ने माप के मुताबिक कृत्रिम अंग - केलीपर पहनाए। मुख्य अतिथि बी.डी.ओ. श्री रामलाल जी कालिया थे। अध्यक्षता सेवा मंडल के अध्यक्ष श्री अशोक जी टारिया ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री आलोक कुमार जी, वीरफल जी व डॉ. उपेन्द्र जी डोगरा थे।

अबोहरः काजिल्का रोड, (हरियाणा) स्थित जोहड़ी मंदिर में 31 जुलाई को सम्पन्न शिविर में डॉ. सिद्धार्थ लंभा ने 5 दिव्यांगजन का निःशुल्क सर्जरी के लिए चयन किया। मुख्य अतिथि समाजसेवी श्रीसेरीबटला जी व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री राजकुमार जी, क्रिप्प जी व डॉ. सिद्धार्थ लंभा थे। अध्यक्षता श्री साहिल कुमार जी ने की। शिविर में 22 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंग व 11 के केलीपर बनाने का पी एण्ड ओ रामनाथ ठाकुर व भगवती पटेल ने माप लिया। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन में देवीलाल मीणा व हरीश रावत ने सहायता की।

नांदेड़ः कृपासिंधु दिव्यांग संगठन, नांदेड़ (महाराष्ट्र) के सौजन्य से नगीना घाट स्थित गुरूद्वारा लंगर साहेब में दो दिवसीय कृत्रिम अंग वितरण शिविर 31 जुलाई व 1 अगस्त को पुलिस महानिरीक्षक श्री नृसिंह जी तंबोली के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। जिसमें 85 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 48 को केलीपर वितरित किए गए। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लड्ढा ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री संजय भंडारी, सुरेश कुमार जी व विनोद जी राठौड़ थे। अध्यक्षता बाबा बलविंदर सिंह जी ने की। पी एण्ड ओ रीतू परना व किशन सुथार ने कृत्रिम अंग व केलीपर पहिनाने का कार्य किया।

अहमदाबादः अंध कल्याण केन्द्र, रानीप अहमदाबाद (गुजरात) में अंध कल्याण केन्द्र, करूणा ट्रस्ट एवं भाजपा के सहयोग से 31 जुलाई व 1 अगस्त को कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 60 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 36 को केलीपर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि श्री प्रदीप भाई परमार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थे। अध्यक्षता साबरमती विधायक श्री अरविंद भाई पटेल ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री श्री कौशिक भाई पटेल व अंधकल्याण केन्द्र की अध्यक्षा श्रीमती कुमुद बेन थी। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी व आश्रम प्रभारी कैलाश चौधरी ने अतिथियों का स्वागत -सम्मान किया। सहयोग डॉ. रोली मिश्रा व डॉ. रक्षिता ने किया।

गजरोलाः जे.बी.एफ मेडिकल सेंटर भरतिया ग्राम गजरौला -महाराष्ट्र में दो दिवसीय कृत्रिम अंग वितरण शिविर 5-6 जून को सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर श्री बी.के. त्रिपाठी, अध्यक्ष पुलिस अधीक्षक श्री विनीत जैसवाल व विशिष्ट अतिथियों ने 80 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 31 को केलीपर प्रदान किए। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री चन्द्रशेखर शुक्ला जी, मायाशंकर जी, सुनील जी दीक्षित, सेवा प्रेरक अजय जी शर्मा, डॉ. सुजिन्द्र फोगाट व श्रीमती आरती शर्मा भी मंचासीन थे। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लड्ढा ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया।

भक्ति सुधा

भक्ति संग सेवा का संदेश

देवाधिदेव महादेव की आराधना के पावन श्रावण मास में आगरा व संस्थान के उदयपुर स्थित मुख्यालय (सेवा महातीर्थ, बड़ी) में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सम्पन्न हुए। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

आगराः श्री खाटूश्याम जी मंदिर जीवनी मंडी, आगरा (उ.प्र.) में 14 से 20 जुलाई तक सम्पन्न श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा यज्ञ की व्यासपीठ से प्रसिद्ध भागवत मनीषी डॉ. संजय कृष्ण जी सलिल महाराज ने कहा कि मनुष्य का प्रभु से बढ़कर कोई हितैषी नहीं हो सकता। क्योंकि हितैषी वही होता है, जिसका कभी भी, किसी से भी कोई स्वार्थ न हो। इसके लिए शर्त एक ही है कि व्यक्ति भी उन्हें निःस्वार्थ भाव से स्मरण करे। प्रभु स्वतः उसकी मनोकामनाएं यथा समय पूर्ण कर देंगे। कथा का संस्कार चैनल से देश भर में सीधा प्रसारण हाने से लाखों लोगों ने लाभ लिया।

सेवामहातीर्थ, बड़ीः संस्थान के सेवामहातीर्थ बड़ी स्थित हाड़ा सभागार में 25 से 31 जुलाई तक आयोजित श्रीमदभागवत कथा में व्यासपीठ पर बिराजित पूज्या दीपाली दीदी ने कहा कि जीवन में मनुष्य द्वारा परोपकार के ऐसे कार्य निष्पादित किए जाएं जिनसे जीवन सार्थक होकर जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति हो जाए। मनुष्य के मानसिक भ्रम बहुत बड़ी त्रुटि बनते हैं, यदि इनमें सुधार न किया जाए तो पतन तय है। मिथ्या विचार, सोच व कार्य-कलापों को तन-मन से निकालने का सर्वोत्तम माध्यम ईश्वर स्मरण-साधना ही है। कथा का आस्था -भजन से चैनल सीधा प्रसारण भी किया गया।

सेवायात्रा

झीनी-झीनी रोशनी (40)

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

इतना बड़ा ऑपरेशन करने के पहले आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करना जरूरी होता है। मरीज के रिश्तेदार को ऑपरेशन की जिम्मेदारी लेते हुए एक फार्म में लड़के से रिश्ता बताना जरूरी था। कैलाश ने पूछा यहां क्या लिखूं, फिर स्वयं ही बता दिया-मानवीय रिश्ता लिख दूं। डॉक्टर ने कहा- सुबह तुम पिण्डवाड़ा से अनजान घायलों को लायें थे, उन्हें तो पुलिसवालों को अपना भाई-बहिन बताया तो इस बच्चे को अपना भतीजा बताने में क्या आपत्ति है। कैलाश को बात समझ में आ गई। उसने रिश्तें के कालम में भतीजा लिख कर दिये। डॉक्टर तुरन्त उसे ऑपरेशन रूम में ले गया और हस्ताक्षर कर दी। रात काफी हो गई थी, वह दुर्घटनाग्रस्त घायलों से अपनी कारवाई शुरू कर मिल कर घर लौट आया। कमला उसकी बाट जोह रही थी, घर में प्रवेश करते ही पूछ बैठी-इतनी देर कैसे लग गई तो कैलाश ने उसे आदिवासी लड़के की पूरी बात बताई। कमला भी सुन कर सन्न रह गई।

अगले दिन नहा-धो कर तैयार हुआ और ऑफिस जाने के पहले अस्पताल का एक चक्कर लगाने की सोचते हुए उधर ही बढ गया। अस्पताल में प्रवेश करते ही एक स्त्री के रूदन और विलाप की आवाजें आई तो कैलाश चौंक गया। एकाएक यही खयाल आया कि घायलों में से कोई चल बसा प्रतीत होता है। जिधर से स्त्री की आवाजें आ रही थी, उसके पांव उधर ही बढ़ गये। दुर्घटना के सभी 40 घायल यहीं भर्ती थे। इन्हीं में से एक व्यक्ति की पत्नी आ गई थी। वहीं अपने पति के पलंग के पास बैठी विलाप कर रही थी। डॉ. खत्री भी खड़े थे। स्त्री जोर-जोर से विलाप कर रही थी-अब मेरा क्या होगा, मैं विधवा हो जाऊंगी। उसकी आवाजों से पूरे अस्पताल की शान्ति भंग हो रही थी। डॉ. उसे समझाने, चुप कराने की कोशिश कर रहे थे मगर वह चुप होने का नाम ही नहीं ले रही थी। कैलाश के मन में जिज्ञासा तो उस लड़के का हाल चाल जानने की थी जिसके हाथ-पांव काटने की बात हो रही थी मगर यहां स्त्री का रूदन देख वह सब भूल गया। डॉक्टर खत्री ने उसे देखते ही कहा-कैलाश जी इस स्त्री को समझाओ, रात को आप गये उसके बाद यह आई और तब से ही इसने रो-रो कर पूरा अस्पताल सिर पर उठा लिया। क्रमशः

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्रीमती सरोज नरसरिया कोलकाता

श्री ओम प्रकाश सांखला जोधपुर (राज.)

स्व. श्री रमेश आर. पंचोली दिल्ली

श्री किशन चन्द रस्तोगी दिल्ली

श्रीमती सविता एन. पटेल, मेहसाना (गुजरात)

श्री नटवर लाल एम. पटेल मेहसाना (गुज.)

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री शिव कुमार गुप्ता निवासी - गुरूग्राम

संस्थान के सम्माननीय दानदाता गुरूग्राम निवासी स्व.श्रीमान शिव कुमार जी गुप्ता का आकस्मिक निधन दिनांक 15 जुलाई-2022 को हो गया। वे संस्थान के सम्मानित दानदाता थे। उनके सेवाकार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। संस्थान के संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने आदरणीय स्व. श्रीमान शिव कुमार गुप्ता जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए दुःखित स्वर में कहा कि ईश्वर स्वर्गस्थ आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्व. सुश्री शान्ता जैन निवासी - भीलवाड़ा

संस्थान की दानदाता भीलवाड़ा निवासी सुश्री शांता जी जैन का आकस्मिक निधन दिनांक 31 जुलाई-2022 को हो गया। वे संस्थान की सम्मानित दानदाता थी। उनके मन में दिव्यांगों के प्रति बहुत सेवा भाव था। उनके सेवाकार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। संस्थान के संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने आदरणीया सुश्री शांता जी जैन को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए दुःखित स्वर में कहा कि ईश्वर स्वर्गस्थ आत्मा को अपने चरणों में स्थान देवें एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्व. डॉ. रामशंकर सिंह निवासी - देवरिया, (उ.प्र.)

संस्थान की सिंगापुर शाखा के सम्मानित पदाधिकारी श्री राकेश कुमार जी के पूज्य पिता जी का देवलोक गमन 22 जुलाई को हो गया। संस्थान परिवार स्वर्गवासी आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है। वे अपने पीछे राकेश कुमार व प्रवीण कुमार सिंह - पुत्र, नीतू सिंह-पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

सेवा के पर्यायः श्री सूरजमल जी अग्रवाल, दीपका

समाज के दुखी एवं पीड़ित वर्ग की सेवा में अहर्निश समर्पित समाज सेवियों में दीपका व्यापार संघ - कोरबा (छत्तीसगढ़) के संस्थापक -संरक्षक एवं बालाजी जनरल स्टोर के स्वामी श्री सूरजमल जी अग्रवाल का शुभनाम उल्लेखनीय है। वे ऐसे मौन सेवक हैं जो एक हाथ से की गई सेवा का दूसरे हाथ को भी पता नहीं लगने देते। यही वजह है कि कोरबा के उद्यमी-व्यापारी समुदाय में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण समाज में आपको श्रद्धा व आदर प्राप्त है। आपने व परिवार ने अपने क्षेत्र में ही नहीं अन्यत्र भी सामाजिक एवं जरुरतमंदों के सेवाकार्यो में सदैव बढ़- चढ़कर दायित्व का निर्वाह किया। श्री अग्रवाल जी का नारायण सेवा संस्थान को इसकी स्थापना के प्रारंभिक वर्षो से ही सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त है। निःशक्तजन को अपने पांवों पर खड़ा करने के संस्थान के निःशुल्क ऑपरेशन एवं दवा सहयोग प्रकल्प में आप द्वारा प्रदत्त सहयोग उल्लेखनीय है। आपश्री संस्थान के माध्यम से अब तक 1500 से अधिक पूर्व पोलियो ग्रस्त बच्चों, किशोर-किशोरियों के ऑपरेशन करवाकर उन्हें पांवों पर खड़ा करने में अग्रणी रहे हैं, उन्हीं निःशक्तजन की दुआओं का परिणाम है कि आपका परिवार पूर्णतः सुखी है, आप स्वस्थ हैं और व्यापार में उन्नति होती रही है। संस्थान आपके व परिवार के आरोग्य व समृद्धि की कामना करता है।

शाखा प्रेरणा स्त्रोत जुलाई 2022

सेवा प्रचारक
श्री विजय आनन्द गुप्ता
गुरूग्राम (हरियाणा)

शाखा संयोजक
श्री दिलीप सिंह वर्मा
मथुरा (उ.प्र.)

सेवा प्रेरक
श्री दमनेश कुमार
नई दिल्ली

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता राहत के विभिन्न आयाम

चिकित्सा

- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलिपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन

- हस्तकला और शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- डिजिटल (कंप्यूटर) प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन रिपेयर प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजिटल स्कूल)

- 450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल
- 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- निःशुल्क ओपीडी,जांच एवं शल्य चिकित्सा
- निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

**कृपया 1 लाख रू.
का सहयोग देकर
अपने परिजनों का नाम
स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराएं**

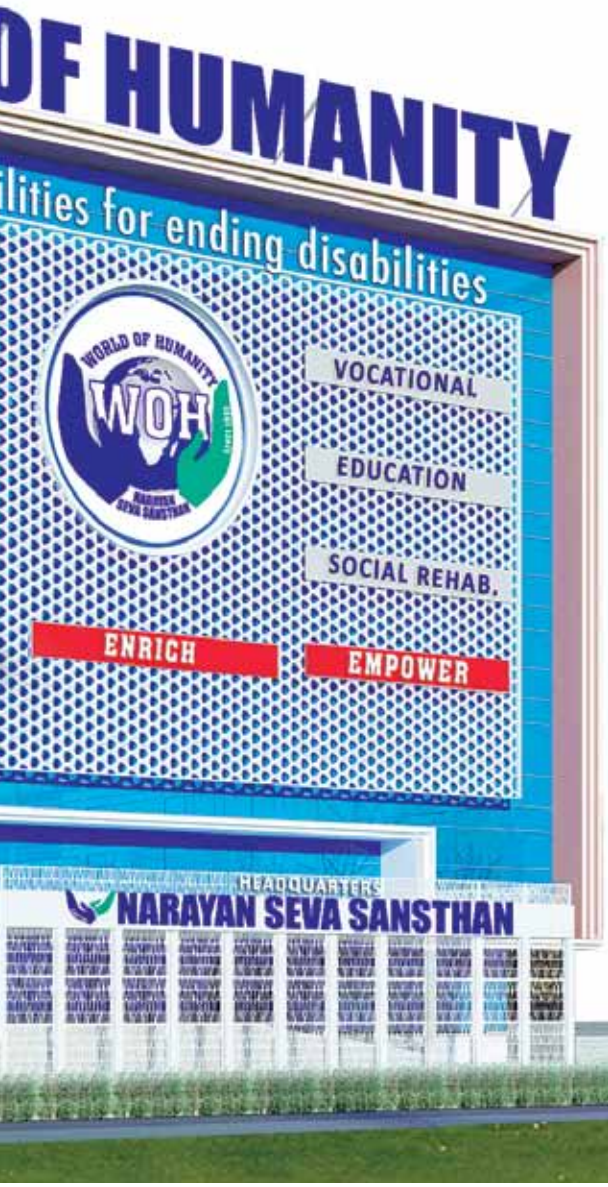

सशक्तिकरण

- दिव्यांग विवाह समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमिनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं

- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- कंबल वितरण
- दवा वितरण

- प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय विद्यालय
- व्यावसायिक प्रशिक्षण • बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर • रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)

श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला कैन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जींद

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

मथुरा
श्री दिलीप वर्मा,मो. 08899366480
1, द्वारिकापुरी, कंकाली, मथुरा

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंडीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई

07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103,
ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस.,
लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1,
गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

नागपुर

08306004806, प्लॉट नंबर 37,
गोरले ले आउट,गोपाल नगर,
दूसरा बस स्टॉप,नागपुर,महाराष्ट्र 440022

पूणे

09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

दिल्ली

रोहिणी

08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव
शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8,
रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली

07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

बिहार

पटना

मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

हरियाणा

चण्डीगढ़

070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम

08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड, सी.आर.पी.एफ.
कैम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार

07023003320,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

करनाल

मो.: 8306004815, मकान न. 415,
सेक्टर-6, करनाल 132001

(कर्नाटक)

बेंगलुरू

09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी,
बेंगलुरु-560004

पंजाब

लुधियाना

07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग
भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज

09351230393, म.न . 78/बी,
मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ

08306004811, 38, श्री राम पैलेस,
दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ

. 09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम,
डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर
आलम बाग, लखनऊ

मध्य प्रदेश

ग्वालियर

07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सड़क,
लश्कर,ग्वालियर 474001

भोपाल

095299 20089
ए -846, न्यू अशोका
गार्डन, दिगम्बर जैन मंदिर के पास,
रायसन रोड, भोपाल - 462023

वेस्ट बंगाल

कोलकाता

09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर,
लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुजरात

सूरत

09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा

मो.: 9529920081 म. नं.: 1298,
वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास,
वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

राजस्थान

जोधपुर

08306004821
मेड़ती गेट के अंदर,कुचामन
हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

कोटा

07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5
तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

जयपुर

08696002432, बी-16 गोविन्ददेव
कॉलोनी, चौगान स्टेडियम के पीछे,
गणगौरी बाजार,जयपुर

नाथद्वारा

मो.: 8306004832
मकान नं. 850, वंदना सिनेमा के पीछे
श्रीजी कॉलोनी, नाथद्वारा बस स्टेण्ड
के पास, नाथद्वारा, राजसमंद-313301

नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी

09999175555
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा

बी-85, ज्योति कॉलोनी,
दुर्गापुरी चौक,शाहदरा,
दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस

07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा

07023101163, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़

07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड,अलीगढ़

मोदीनगर

आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प
के पास, मोदी बाग के सामने
मोदीनगर -201204

बरेली

मो.:8306004804, बी-17, राजेन्द्र नगर,
जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी

09529920084, दानदाता :
डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बन्थला, खिरोड़ी रोड
(मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी,
गाजियाबाद

गाजियाबाद

(1) 07073474435,8588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलाबालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435,8588835716
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा

07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स
कॉलोनी,नियर पानी की टंकी
के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर

09928027946, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद

9529920080, 8306008208
ओ.बी. 3/27 गुजरात
हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर,
4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड,
बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट

09529920083, भगत सिंह गार्डन के
सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति
कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिर्वसिटी
रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद

09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून

07023101175, साई लोक कॉलोनी,
गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई

09529920090,ओसवाल
बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर
ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम

दत्ता कृपा महात्मा
गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी
बैंक के पीछे, स्टेशन रोड,
रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर

09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर

07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीबी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला

07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल

09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग
मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल,
नियर पदमा सिटी माल, करनाल
रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार				
वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
कैलिपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	10000	30,000	50,000	1,10000

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद	
एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	11,00/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi
संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

सहमति-पत्र के साथ आप अपनी करुणा सेवा भिजवा सकते हैं

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं (नाम) ▶.....सहयोग मद ▶ .....

उपलक्ष्य में/स्मृति में ▶.....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ▶.....का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप ..... दिनांक ▶.....से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।

पूर्ण पता ▶.....

जिला .....पिन कोड .....राज्य .....

मो. नं. .....वाट्सअप नं. ..... ई-मेल .....

हस्ताक्षर

डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया

व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन

समर्थित

B.C.C.I. P.C.I.

प्रस्तुत करता है

एसोसिएशन में

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

तीसरी राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप, 2022

300 व्हीलचेयर क्रिकेटर्स

1 सिटी

7 दिन

16 टीम

दुनिया का सबसे बड़ा व्हीलचेयर स्पोर्ट्स इवेंट

27 नवम्बर से 3 दिसम्बर-2022, उदयपुर (राजस्थान)

Seva Soubhagya 1 September, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 32 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-